

- ✓ यमन, सुपंदी, जिउती – ये अमीर खुसरो द्वारा रचित नए राग थे, जिनमें भारतीय और फारसी संगीत का मिश्रण था। ये हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विकास में महत्वपूर्ण रहे।
- ✓ कव्वाली और गज़ल – अमीर खुसरो ने कव्वाली शैली को लोकप्रिय बनाया, जो सूफी भक्ति संगीत का हिस्सा बनी। उन्होंने गज़ल को भी नई पहचान दी, जिसमें प्रेम और अध्यात्म का मिश्रण था।
- ✓ सितार – कहा जाता है कि उन्होंने भारतीय वीणा और फारसी तनबूर को मिलाकर सितार का प्रारंभिक स्वरूप विकसित किया, जिससे भारतीय शास्त्रीय संगीत समृद्ध हुआ।
- ✓ नूह सिपहर – अमीर खुसरो द्वारा लिखित फारसी ग्रंथ, जिसमें तत्कालीन समाज, संस्कृति और राजनीति का विवरण मिलता है।
- ✓ दीवान-ए-गुरुरत-उल-कमाल – उनका एक प्रसिद्ध काव्य संग्रह, जिसमें फारसी कविता की उत्कृष्ट रचनाएँ शामिल हैं।
- ✓ हिंदवी दोहे व पहेलियाँ – अमीर खुसरो ने पहली बार हिंदवी भाषा में दोहे, पहेलियाँ और गद्य लिखा, जिससे हिंदी-उर्दू भाषा का विकास हुआ।
- ✓ खज़ाइन-उल-फुतूह – इसे 'विजयों का खज़ाना' भी कहते हैं, जिसमें उन्होंने अलाउद्दीन खिलजी के अभियानों और नीतियों का विस्तार से वर्णन किया है।
- ✓ तारीख-ए-अलाई – इस ग्रंथ में अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल, उसकी युद्ध नीति और प्रशासन का विस्तृत विवरण है।